भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3003

13 दिसंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

उत्तर पूर्व में क्षयरोग का उपचार

3003. श्री गौरव गोगोई:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्तमान में देश में क्षयरोग के मामलों का पता लगाने की दर और इस संबंध में जारी अधिसूचना का राज्यवार/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने विशेषकर उत्तर पूर्व के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में शीघ्र निदान और शीघ्र उपचार शुरू करने के लिए कोई रणनीति कार्यान्वित की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा देश में क्षयरोग के प्रसार को कम करने के लिए टीकाकरण और संपर्क में आए लोगों का पता लगाने जैसे निवारक उपायों को सुदृढ़ करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है; और

(घ) क्या सरकार देश में क्षयरोग अनुसंधान, विशेषकर औषधि विकास, निदान और टीका अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में निवेश करने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (घ): देश में वर्ष 2024 (जनवरी-अक्टूबर) में क्षयरोग के मामलों की वर्तमान दर 182 प्रति लाख जनसंख्या है, जिसका राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण **अनुलग्नक** में है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तत्वावधान में राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) पूरे देश में कार्यान्वित किया जा रहा है, जिसमें पूर्वोत्तर के ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्र भी शामिल हैं, जिसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

- क्षयरोग का शीघ्र निदान और गुणवत्तापूर्ण दवाओं और उपचार पद्धतियों के साथ शीघ्र उपचार।

- उच्च जोखिम/कमजोर आबादी में सक्रिय मामले की खोज और संपर्क पर नज़र रखना;
- वायुजनित संक्रमण नियंत्रण;
- सामाजिक निर्धारकों का समाधान करने के लिए बहु-क्षेत्रीय प्रतिक्रिया।

इसके अतिरिक्त, सरकार ने शीघ्र निदान, त्वरित उपचार और निवारक उपायों के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं:

- राज्य और जिला विशिष्ट कार्यनीतिक योजनाओं के माध्यम से क्षयरोग के रोगियों की अधिक संख्या वाले क्षेत्रों में लक्षित कार्यकलाप।
- क्षयरोग के रोगियों को निःशुल्क दवाइयां और निदान की सुविधा उपलब्ध कराना।
- प्रमुख संवेदनशील आबादी और सह-रुग्णता वाले व्यक्तियों में सक्रिय टीबी मामले खोजने के लिए अभियान चलाना।
- जनजातीय, पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों में टीबी रोगियों के लिए 750 रुपये (एकमुश्त) की प्रोत्साहन राशि
- आयुष्मान आरोग्य मंदिर के स्तर तक क्षयरोग जांच और उपचार सेवाओं का विकेन्द्रीकरण।
- क्षयरोग मामलों की अधिसूचना और प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन के साथ निजी क्षेत्र की भागीदारी।
- उप-जिला स्तर तक आणविक निदान प्रयोगशालाओं का विस्तार।
- कलंक को कम करने, सामुदायिक जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार में सुधार लाने के लिए गहन सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) कार्यकलाप।
- क्षयरोग उन्मूलन के लिए संबंधित मंत्रालयों के प्रयासों और संसाधनों को एकीकृत करना।
- क्षयरोग के रोगियों और कमजोर आबादी के संपर्कों को क्षयरोग निवारक उपचार का प्रावधान।
- निक्षय पोर्टल के माध्यम से अधिसूचित क्षयरोग के मामलों और उनके संपर्कों पर नज़र रखना।
- सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के भाग के रूप में जन्म के समय बीसीजी टीकाकरण।
- क्षयरोग के रोगियों और कमजोर आबादी के योग्य संपर्कों को क्षयरोग निवारक उपचार का प्रावधान।

सरकार ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के माध्यम से क्षयरोग अनुसंधान के विविध विषयगत क्षेत्रों जैसे दवा विकास, निदान और वैक्सीन अनुसंधान में निवेश किया है। इस कार्यकलाप ने निम्नलिखित उपलब्धियाँ दर्ज की हैं:

- नए निदान के नैदानिक निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए देश भर में निर्देश प्रयोगशालाओं का एक नेटवर्क तैयार किया गया।
- क्षयरोग और दवा प्रतिरोधी क्षयरोग के लिए एक नए पॉइंट ऑफ़ केयर डायग्नोस्टिक टूल का मूल्यांकन किया गया।
- बाजार में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए एक नई हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीन का मूल्यांकन किया गया।
- एक्स-रे रीडिंग और लाइन प्रोब परख परीक्षणों के लिए एआई टूल का मूल्यांकन किया गया।
- हैंडहेल्ड एक्स-रे के माध्यम से समुदाय में स्क्रीनिंग और सक्रिय मामले खोजने के लिए अनुसंधान परियोजना पूरी की गई।
- दवा संवेदनशील (डीएस) और दवा प्रतिरोधी (डीआर) क्षयरोग में दवा संबंधी परहेजों की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए सफलतापूर्वक नैदानिक परीक्षण किए गए।
- संभावित क्षयरोग के टीकों और वयस्क बीसीजी टीकाकरण अध्ययन के लिए नैदानिक परीक्षण किए गए।
- क्षयरोग कार्यक्रम के लिए कार्यनीतिक, लागत प्रभावी और स्केलेबल जिला मॉडल संचालित करने के लिए कार्यान्वयन अनुसंधान किया गया।

अनुलग्नक

दिनांक 13.12.2024 को उत्तर के लिए नियत राज्य सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3003 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

चालू वर्ष (2024) में क्षयरोग के मामलों की राज्य-वार अधिसूचना दर (प्रति लाख जनसंख्या)	
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	2024* (जनवरी-अक्टूबर)
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	137
आंध्र प्रदेश	156
अरुणाचल प्रदेश	113
असम	139
बिहार	151
चंडीगढ़	573
छत्तीसगढ़	129
दादरा और नगर हवेली व दमन और दीव	118
दिल्ली	534
गोवा	130
गुजरात	190
हरियाणा	284
हिमाचल प्रदेश	207
जम्मू और कश्मीर	82
झारखंड	152
कर्नाटक	105
केरल	59
लद्दाख	108
लक्षद्वीप	11
मध्य प्रदेश	201
महाराष्ट्र	174
मणिपुर	64
मेघालय	118
मिजोरम	179
नागालैंड	196
ओडिशा	124
पुदुचेरी	212
पंजाब	195
राजस्थान	214
सिक्किम	200
तमिलनाडु	121
तेलंगाना	185
त्रिपुरा	81
उत्तर प्रदेश	276
उत्तराखंड	245
पश्चिम बंगाल	101

* दिनांक 08 दिसंबर, 2024 की स्थिति के अनुसार

आंकड़ें स्रोत: नि-क्षय

*****